Q: साथी पोर्टल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. यह सीड ट्रैसेबिलिटी के लिए एक केंद्रीकृत ऑनलाइन सिस्टम है।
2. इस सिस्टम के तहत एक क्यूआर कोड होगा, जिसके जरिए बीजों का पता लगाया जा सकेगा.
3. इसे NIC द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्रालय के सहयोग से ही विकसित किया गया है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- बीज उत्पादन की चुनौतियों से निपटने, गुणवत्तापूर्ण बीज की पहचान और बीज प्रमाणीकरण के लिए बनाए गए साथी पोर्टल व मोबाइल एप्लीकेशन को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने लांच किया।
- उत्तम बीज- समृद्ध किसान की थीम पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एनआईसी ने इसे बनाया है।
- अभी साथी (सीड ट्रेसेबिलिटी, ऑथेंटिकेशन एंड होलिस्टिक) पोर्टल का पहला चरण आया है।
- इसका किसानों को पूरी तरह से लाभ मिले, इसके लिए भी जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जाना चाहिए। इस सिस्टम के अंतर्गत क्यूआर कोड होगा, जिससे बीज को ट्रेस किया जा सकेगा।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य सरकारों के माध्यम से इस संबंध में ट्रेनिंग दी जाना चाहिए।

Q: पर्वतमाला परियोजना योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. योजना भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्र को कवर नहीं करेगी।
2. इस योजना को पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर लिया जाएगा।
3. यह योजना वर्तमान में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, जम्मू और कश्मीर और अन्य उत्तर पूर्वी राज्यों जैसे क्षेत्रों में शुरू की जा रही है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b
व्याख्या:

- पर्वतमाला परियोजना योजना पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर शुरू की जाएगी, जो कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक सड़कों के स्थान पर एक पसंदीदा पारिस्थितिक रूप से स्थायी विकल्प होगा।
- विचार पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा, यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा में सुधार करना है।
- यह भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों को भी कवर कर सकता है, जहां पारंपरिक जन परिवहन प्रणाली संभव नहीं है।
- योजना वर्तमान में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, जम्मू और कश्मीर और अन्य उत्तर पूर्वी राज्यों जैसे क्षेत्रों में शुरू की जा रही है।

- वित्त मंत्री ने घोषणा की कि 2022-23 में 60 किमी की लंबाई वाली 8 रोपवे परियोजनाओं के लिए अनुबंध दिए जाएंगे।

Q: हाल में संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 जारी की। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. 2050 तक वैश्विक जनसंख्या में अनुमानित वृद्धि का आधा हिस्सा सिर्फ आठ देशों का होगा।
2. वैश्विक अनुभव से पता चला है कि परिवार नियोजन के लक्ष्यों से लिंग आधारित भेदभाव हो सकता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: c
व्याख्या:

- भारत 2023 के मध्य तक दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने के लिए चीन को पीछे छोड़ने के लिए तैयार है।
- चीन की 142.57 करोड़ की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि भारत की आबादी अपने एशियाई पड़ोसी की तुलना में 29 लाख ज़्यादा होगी।
- 34 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका तीसरे स्थान पर है।
- 2050 तक वैश्विक जनसंख्या में अनुमानित आधी वृद्धि के लिए सिर्फ आठ देश जिम्मेदार होंगे: कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मिस्र, इथियोपिया, भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और संयुक्त गणराज्य तंजानिया; जबकि दो-तिहाई लोग अब ऐसे देश में रहते हैं जहां आजीवन प्रजनन क्षमता शून्य वृद्धि के साथ मेल खाती है।
- वैश्विक अनुभव से पता चला है कि परिवार नियोजन लक्ष्य लिंग-आधारित भेदभाव और प्रसवपूर्व लिंग निर्धारण जैसी हानिकारक प्रथाओं को जन्म दे सकते हैं जिससे लिंग-चयनात्मक गर्भपात हो सकता है।
- ऐसे लक्ष्यों को लागू करने से असंतुलित लिंग अनुपात, पुरुष बच्चों के लिए अधिमान्य स्वास्थ्य और पोषण, बालिकाओं के पितृत्व से इनकार, बालिकाओं को जन्म देने के लिए महिलाओं के खिलाफ हिंसा और कम या अधिक संख्या में बच्चे पैदा करने के लिए महिलाओं पर दबाव डाला जा सकता है।

Q: वेब3 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) द्वारा स्वामित्व और नियंत्रित एक केंद्रीकृत वेब है।
2. यह डिजिटल संपत्ति के निर्माण और विनिमय की अनुमति देता है।
3. यह पीयर-टू-पीयर लेनदेन और इंटरैक्शन की अनुमति देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

a) केवल 1
b) 1 और 2 केवल
c) 1, 2 और 3
d) 2 और 3 केवल

उत्तर: d
व्याख्या:

- Web3 को विकेन्द्रीकृत वेब, कंप्यूटर के नेटवर्क के रूप में जाना जाता है जिसका स्वामित्व और नियंत्रण स्वयं उपयोगकर्ताओं द्वारा किया जाता है।

- यह मौजूदा इंटरनेट बुनियादी ढांचे के शीर्ष पर बनाया गया है और वेब प्लेटफॉर्म के पिछले संस्करणों के साथ प्रतिस्पर्धा में नहीं है।
- यह ब्लॉकचैन सिस्टम में डिजिटल संपत्ति, विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों और स्मार्ट अनुबंधों के निर्माण और विनिमय की अनुमति देता है।
- इसे इस तरह से सुरक्षित रूप से डेटा स्टोर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जहां हैकिंग और समझौता करना आसान नहीं है।
- यह बिटकॉइन और एथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी में इसके उपयोग के लिए सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है।
- इसका उपयोग डिजिटल मुद्राओं को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से स्टोर और स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।
- यह पीयर-टू-पीयर लेनदेन और इंटरैक्शन की अनुमति देता है, जिसका अर्थ है कि उपयोगकर्ता अपने डेटा के नियंत्रण में हैं और यह चुन सकते हैं कि वे इसे किसके साथ साझा करें।
- उपयोगकर्ता अपने डेटा और लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए नेटवर्क पर ही भरोसा कर सकते हैं।
- Web3 अधिक सुरक्षित है, क्योंकि विफलता का कोई एक अवसर नहीं है जिसका हैकर्स द्वारा फायदा उठाया जा सके।

Q: पीएलओएस क्लाइमेट ने बताया कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय जलवायु भेद्यता सूचकांक के साथ बहुत कम अनुमान लगाया है। राष्ट्रीय जलवायु भेद्यता सूचकांक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह वर्तमान जलवायु जोखिम के संबंध में भारत में सबसे कमजोर राज्यों और जिलों की पहचान करता है।
2. यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी किया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c
व्याख्या:
• राष्ट्रीय जलवायु भेद्यता सूचकांक वर्तमान जलवायु जोखिम और भेद्यता के प्रमुख चालकों के संबंध में भारत में सबसे कमजोर राज्यों और जिलों की पहचान करता है।
• यह एक समग्र सूचकांक है जो भारत की सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं और आजीविका, जैव-भौतिक, संस्थागत और ढांचागत विशेषताओं पर जलवायु प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न संकेतकों का उपयोग करता है।
• इस रिपोर्ट में विकसित राज्य-स्तरीय भेद्यता सूचकांक एक छोटी सी सीमा में भिन्न होते हैं: 0.42-0.67।
• इसका मतलब है कि सभी राज्यों को भेद्यता से संबंधित चिंताओं से निपटना चाहिए।
• रिपोर्ट से पता चलता है कि देश के पूर्वी भाग अनुकूलन हस्तक्षेपों की प्राथमिकता की आवश्यकता है।
• जिला-स्तर भेद्यता सूचकांक भी एक छोटी सी सीमा के भीतर हैं: 0.34 - 0.75।
• भेद्यता सूचकांक सापेक्ष उपाय हैं।
• इसका मतलब है, सभी जिले या राज्य असुरक्षित हैं, लेकिन कुछ अन्य की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील हैं, जिन्हें प्राथमिकता वाले अनुकूलन हस्तक्षेप की आवश्यकता है।